



न्यूज़ ब्रीफ

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : सर्वश्रेष्ठ कुशारे ने ऊंची कूद में जीता रजत, एथलेटिक्स में भारत का पहला पदक

ग्लासगो। भारत के स्टार हाई जंप खिलाड़ी सर्वश्रेष्ठ कुशारे ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए



पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा का रजत पदक जीत लिया। इसके साथ ही उन्होंने ग्लासगो खेलों में एथलेटिक्स में भारत का पहला पदक दिलाया। 31 वर्षीय सर्वश्रेष्ठ ने फाइनल में 2.05 मीटर, 2.10 मीटर, 2.15 मीटर और 2.20 मीटर की ऊंचाई पहले ही प्रयास में सफलतापूर्वक पार की। इसके बाद उन्होंने 2.25 मीटर की ऊंचाई तीसरे प्रयास में पार कर रजत पदक लगभग सुनिश्चित कर लिया। जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने भी 2.25 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन उन्होंने यह ऊंचाई पहले प्रयास में ही पार कर ली थी। इसी आधार पर उन्हें स्वर्ण पदक मिला। इसके बाद दोनों खिलाड़ी 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने में तीनों प्रयासों में असफल रहे। इंग्लैंड के किमानी जैक ने 2.20 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। सर्वश्रेष्ठ कुशारे शानदार फार्म में राष्ट्रमंडल खेलों में पहुंचे थे। उन्होंने 27 जून को भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय अंतर-राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इसके अलावा 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बनकर उन्होंने इतिहास भी रचा था, जहां उन्होंने छठा स्थान हासिल किया था। भारत की ओर से इस स्पर्धा के फाइनल में तीन खिलाड़ी उतरे थे। हालांकि, तेजस्विन शंकर शुरुआती 2.05 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहने के बाद चोट के कारण मुकाबले से हट गए। इसके बावजूद वर्तमान 2022 के कांस्य पदक विजेता तेजस्विन पूरे मुकाबले के दौरान ट्रैक के किनारे मौजूद रहे और स्पर्धा का उत्साह बढ़ाते रहे। भारत के एक अन्य खिलाड़ी जे. आदर्श राम भी फाइनल में शामिल थे। सर्वश्रेष्ठ कुशारे के इस रजत पदक के साथ भारत ने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में एथलेटिक्स में अपना पदक खाता खोल दिया, जिससे भारतीय दल की पदक उम्मीदों को नई मजबूती मिली।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: आधिकारिक वेबसाइट की गलती से फैला भ्रम, हाई जंप फाइनल से बाहर हुए तेजस्विन

ग्लासगो। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा के फाइनल के दौरान भारतीय एथलीट



तेजस्विन शंकर को लेकर आधिकारिक परिणाम वेबसाइट की बड़ी गलती से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। वेबसाइट पर उन्हें डीएनएस (डिड नाट स्टार्ट) दिखाया गया, जबकि लाइव प्रसारण में वह स्काट्सटाउन स्टेडियम में प्रतियोगिता के लिए मौजूद दिखाई दिए। शुरुआत में वेबसाइट की इस त्रुटि से ऐसा लगा कि भारत की ओर से फाइनल में केवल दो खिलाड़ी ही हिस्सा ले रहे हैं। हालांकि कुछ ही देर बाद तेजस्विन शंकर अपने साथी खिलाड़ियों सर्वश्रेष्ठ कुशारे और जे. आदर्श राम के साथ मैदान पर नजर आए, जिससे स्पष्ट हो गया कि वेबसाइट पर डीएनएस दिखाया जाना तकनीकी गलती थी। तेजस्विन ने 2.05 मीटर की शुरुआती ऊंचाई से अपने अभियान की शुरुआत की, लेकिन पहले प्रयास में बार पार नहीं कर सके। प्रयास के बाद मैट पर उतरते समय उन्हें असहजता महसूस हुई और वह चोट से परेशान नजर आए। इसके बाद उन्होंने प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया और उनका हाई जंप फाइनल समय से पहले ही समाप्त हो गया। फिलहाल उनकी चोट की गंभीरता को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

यश दयाल अब छत्तीसगढ़ से खेलेंगे

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलने वाले



तेज गेंदबाज यश दयाल अब आने वाले घरेलू सत्र से छत्तीसगढ़ की ओर से खेलेंगे। यश दयाल अभी तक अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश की ओर से खेलते आये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार यश को अभी तक उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से अनापति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी नहीं मिला है पर वह कर्नाटक के आलुर में लगे छत्तीसगढ़ के प्री-सीजन कैंप में शामिल हो गये हैं। यश विवादों में भी रहे हैं। यौन उत्पीड़न मामले में फंसे होने के कारण वह आईपीएल 2025 के बाद से ही किसी भी तरह से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में नहीं खेल पाये हैं। इस मामले के बावजूद उनकी आईपीएल टीम रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने उन्हें अगले सीजन के लिए बरकरार रखा था पर वह कानूनी मामलों में फंसे होने के कारण टीम से नहीं जुड़ पाए और पूरे सत्र से बाहर रहे। यश दयाल के उतर प्रदेश की घरेलू टीम छोड़ने के पीछे का एक प्रमुख कारण यूपी टी20 लीग में उन्हें जगह नहीं मिलना रहा है। दयाल को अगस्त से शुरू होने वाली आगामी यूपी टी20 लीग के लिए गोरखपुर लायंस ने रिटेन किया था और उन्होंने आफ-सीजन के दौरान फ्रेंचाइजी के रिटेन किए गए खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण भी शुरू कर दिया था पर शुक्रवार को नीलामी के बाद फ्रेंचाइजी द्वारा घोषित 18 सदस्यीय टीम में दयाल का नाम शामिल नहीं था, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है।

नईदुनिया

सिंगापुर से अगले माह दो मैत्री मैच खेलेगी भारतीय फुटबाल टीम, एशियाई कप क्वालीफायर में मिलेगा लाभ

कोलकाता

भारतीय फुटबाल टीम अगले माह सिंगापुर से दो मैत्री मैच खेलेगी। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार, ये मुकाबले तीन और छह अगस्त को सेंटर फार स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में खेले जाएंगे।

एआईएफएफ के अनुसार भारतीय टीम को साल 2027 में होने वाले एएफसी अंडर20 एशियाई कप क्वालीफायर के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए इन मैचों से लाभ मिलने की उम्मीद है। ये मैत्री मैच युवा भारतीय खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर

पर अनुभव प्राप्त करने और टीम समन्वय को मजबूत करने का एक अच्छा अवसर प्रदान करेंगे। एआईएफएफ का मानना है कि सिंगापुर जैसी प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ खेलने से खिलाड़ियों को असली टूर्नामेंट के हालातों का सामना करने में सहायता मिलेगी और उनका रणनीतिक कौशल भी बेहतर होगा। इससे भारतीय टीम को अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन करने का अवसर भी मिलेगा।

गौरतलब है कि भारत और सिंगापुर की अंडर 20 टीमों के बीच पहले भी दो बार मुकाबला हुआ है। उन दोनों ही अवसरों पर

भारतीय टीम ने जीत दर्ज की थी। पहली भिड़ंत 1966 के एएफसी युवा चैंपियनशिप में हुई थी, जहाँ भारत ने सिंगापुर को 4-1 से हराया था। वहीं दूसरी जीत 1974 में इसी चैंपियनशिप के दौरान पेनल्टी शूटआउट में मिली थी।, दोनों टीमों ने 2017 में गोवा में आयोजित अंडर19 अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों में भी एक-दूसरे का मुकाबला किया था। तब भारतीय टीम ने पहला मैच 7-2 के बड़े अंतर से जीता था, जबकि सिंगापुर ने दूसरे मैच में 1-0 से वापसी करते हुए जीत हासिल की थी। इन मैत्री मैचों का अंतिम लक्ष्य 2027 एएफसी अंडर20 एशियाई कप

क्वालीफायर के लिए एक ठोस आधार तैयार करना है, जहाँ भारतीय टीम को कठिन चुनौतियों का सामना करना है। भारतीय टीम को एशियाई कप क्वालीफायर में ताशकंद में ग्रुप सी में रखा गया है और उसे 31 अगस्त को सीरिया, तीन सितंबर को उज्बेकिस्तान और छह सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ अपने क्वालीफाईंग मैच खेलने हैं। ये आगामी मैत्री मैच टीम के कोचों को विभिन्न रणनीतियों का परीक्षण करने, खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने और एकजुट होकर एक मजबूत इकाई बनाने का अवसर प्रदान करेंगे।

राष्ट्रमण्डल खेलों में भारत को शर्मिला ने दिलाया दूसरा स्वर्ण, कंचुगरकोप्पालु को मिला कांस्य

ग्लासगो

स्काटलैंड के ग्लासगो में खेले जा रहे राष्ट्रमण्डल खेलों में भारत की पैरा एथलीट शर्मिला ने स्वर्ण पदक जीता है। इस प्रकार भारतीय खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण सहित कुल चार और पदक जीते हैं। इन पदकों के साथ ही भारत के कुल पदकों की संख्या अब 10 हो गई है, जिसमें 2 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य पदक शामिल हैं। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही भारतीय टीम पदक तालिका में 8वें पायदान पर पहुंच गयी है। भारत की ओर से दूसरा स्वर्ण पदक पैरा एथलीट शर्मिला ने विमेंस शॉट पुट एफ57 वर्ग की फाइनल स्पर्धा में जीता। शर्मिला ने अपने तीसरे प्रयास में 9.81 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण जीतने के साथ ही सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी दिया। इसी स्पर्धा में भारत की शिल्पा कंचुगरकोप्पालु शायला ने 7.26 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ ही कांस्य पदक जीता। वहीं घाना की जिनाबु इसाह ने 8.65 मीटर के साथ ही रजत पदक हासिल किया।

दूसरी ओर हाई जंप प्रतियोगिता में भारत के सर्वश्रेष्ठ अनिल कुशारे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। फाइनल मुकाबले में सर्वश्रेष्ठ ने 2.25 मीटर की छलांग लगाई। जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने भी इतने मीटर ही छलांग लगायी पर कम प्रयासों के कारण उन्हें स्वर्ण पदक मिला। वहीं इंग्लैंड के किमानी जैक 2.20 मीटर की छलांग के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जबकि भारत के आदर्श राम ज्योति शंकर 2.15 मीटर की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर रहे। भारोत्तोलन में भारतीय टीम ने एक रजत पदक जीता। पुरुषों की 79 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में वल्लूरी अजय बाबू ने रजत पदक अपने नाम किया। अजय बाबू ने कुल 330 किलोग्राम वजन (स्नैच में 149 किग्रा व क्लीन एंड जर्क में 181 किग्रा वजन) उठाया। स्वर्ण पदक मलेशिया के एरी हिदायत मुहम्मद ने जीता। उन्होंने सबसे अधिक 331 किलोग्राम वजन उठाकर नंबर एक स्थान हासिल किया। एरी ने स्नैच में 147 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 184 किग्रा भार उठाया। इंग्लैंड के क्रिस मरे ने कुल 325 किलोग्राम वजन (148 स्नैच प्लस 177 क्लीन एंड जर्क) के साथ कांस्य पदक जीता।



राष्ट्रमंडल खेल 2026 : अजय बाबू ने भारोत्तोलन में जीता रजत पदक

ग्लासगो। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के भारोत्तोलक वल्लूरी अजय बाबू ने पुरुषों के 79 किलोग्राम भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। बेहद रोमांचक मुकाबले में अजय बाबू लंबे समय तक स्वर्ण पदक की दौड़ में आगे रहे, लेकिन मलेशिया के मुहम्मद एरी हिदायत ने अंतिम प्रयास में खेलों का नया रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। अजय बाबू ने स्नैच स्पर्धा में 149 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। दूसरे प्रयास में वह असफल रहे थे, लेकिन तीसरे प्रयास में उसी वजन को उठाकर उन्होंने शानदार वापसी की और स्नैच के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया। वलीन एंड जर्क में भी भारतीय खिलाड़ी ने लगातार तीनों प्रयास सफल किए। उन्होंने क्रमशः 174 किलोग्राम, 178 किलोग्राम और 181 किलोग्राम वजन उठाया। इस तरह उनका कुल वजन 330 किलोग्राम रहा और वह स्वर्ण पदक के बेहद करीब पहुंच गए। हालांकि मुकाबले के अंतिम क्षणों में मलेशिया के मुहम्मद एरी हिदायत ने 184 किलोग्राम वजन उठाकर नया खेल रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही उनका कुल वजन 331 किलोग्राम हो गया और उन्होंने मात्र एक किलोग्राम के अंतर से स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। अजय बाबू ने छह में से पांच प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए और स्नैच में नया खेल रिकॉर्ड भी बनाया, लेकिन उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इंग्लैंड के क्रिस मरे ने कुल 325 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। अजय बाबू के इस शानदार प्रदर्शन से भारत के पदकों की संख्या में एक और इजाफा हुआ और उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलन में भारत की मजबूत परंपरा को आगे बढ़ाते हुए देश को एक और महत्वपूर्ण पदक दिलाया।



श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, सारांश जैन को पहली बार मौका, रवींद्र जडेजा की वापसी

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में होगी, जबकि केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है।

इस टीम में सबसे बड़ा आकर्षण मध्य प्रदेश के अनुभवी आफ स्पिन आलराउंडर सारांश जैन का पहली बार टेस्ट टीम में चयन है। 33 वर्षीय सारांश को वारिंगटन सुंदर के हैमस्ट्रिंग चोटिल होने के बाद मौका मिला है। घरेलू क्रिकेट और इंडिया ए के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। वहीं, अनुभवी आलराउंडर रवींद्र जडेजा की भी टीम में वापसी हुई है। उन्हें जून में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के लिए आमंत्रित किया गया था। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज साई सुदर्शन को भी टीम में शामिल किया गया है, लेकिन दोनों का चयन बीसीसीआई के सेंट्र आफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस मंजूरी मिलने पर ही प्रभावी होगा। दूसरी ओर, चोट के कारण पुनर्वास कर रहे नितीश कुमार रेड्डी को टीम में जगह नहीं मिली है।



भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गाल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा और अंतिम टेस्ट 23 अगस्त से एसएससी, कोलंबो में होगा। भारत ने पिछली बार 2017 में श्रीलंका का दौरा किया था, जहां उसने मेजबान टीम का 3-0 से सफाया किया था।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम
शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल

(उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल और सारांश जैन।

जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन का चयन फिटनेस मंजूरी के अधीन है।

अश्विन ने 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियों पर उदाये सवाल

टीम प्रबंधन करे स्पष्ट रणनीति बननी होगी

चेन्नई

पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि भारतीय टीम को जिस प्रकार से इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है उससे उसकी साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियों पर सवाल उठ रहे हैं। अश्विन ने कहा कि ये हार इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि इस सीरीज में विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी टीम में थे। इसके बाद भी टीम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी। भारतीय टीम पहला मुकाबला जीतने के बाद लगातार दो मैचों में हारी।

अश्विन ने कहा कि टीम प्रबंधन को अब



स्पष्ट रणनीति अपनानी होगी। अभी टीम ऐसे खिलाड़ियों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा कर रही है

जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सीमित योगदान देते हैं जबकि बड़े टूर्नामेंट जीतने के लिए

विशेषज्ञ खिलाड़ियों की अधिक जरूरत रहती है।

अश्विन ने आलराउंडर हार्दिक पांड्या के विकल्प को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि हार्दिक पूरी तरह से फिट नहीं रहते हैं, तो भारतीय टीम के पास कोई स्पष्ट विकल्प नजर नहीं आ रहा है। नितीश कुमार रेड्डी और शिवम दुबे को विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है पर नितीश भी हाल के समय में फिटनेस के लिए संघर्ष करते देखे गये हैं। अश्विन का मानना है कि केवल अस्थायी विकल्पों से ही विश्व कप जैसी बड़ी प्रतियोगिता की तैयारी नहीं की जा सकती।

उन्होंने वर्ष 2023 के एकदिवसीय विश्व कप का उदाहरण भी दिया। अश्विन ने बताया कि उस समय हार्दिक पांड्या के चोटिल

होने के बाद तत्कालीन मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और टीम प्रबंधन ने एक अलग रणनीति अपनाई थी। उन्होंने अतिरिक्त आलराउंडर की तलाश करने के बजाय पांच प्रमुख गेंदबाजों के साथ टीम का संतुलन बनाए रखा और प्रत्येक खिलाड़ी की भूमिका स्पष्ट रखी थी। इसी रणनीति के दम पर भारत फाइनल तक पहुंचने में सफल रहा था, ये तरीका भी वर्तमान समय में अपनाया जा सकता है। साथ ही कहा कि टीम प्रबंधन को अब 17 से 18 खिलाड़ियों का एक स्थायी समूह तैयार कर लेना चाहिए। इस समूह में दो विकेटकीपर, तीन स्पिन गेंदबाज और पांच तेज गेंदबाज शामिल होने चाहिए। वहीं अगले 14 महीनों तक इन्होंने खिलाड़ियों को लगातार अवसर देकर अलग-अलग संयोजन आजमाने चाहिए, जिससे विश्व कप शुरू होने तक सर्वश्रेष्ठ अंतिम एकादश तैयार हो सके। अश्विन का मानना है कि वर्तमान में टीम चयन और रणनीति में स्पष्टता की कमी दिखाई दे रही है, जिसे दूर करना सबसे जरूरी है।